

समझा- मि. ग. रानी 666-PBR-15
माननीय न्यायालय राजस्व मंडल ग्वालियर म. प्र.

रा. रि. क्र. /15
मौजा बदनूरद्वाना
राजेंद्र वार्ड गंज बैतूल

बाबूलाल शर्मा पिता नानू राम शर्मा, उम्र 59 वर्ष
जाति ब्राह्मण नि. भगूद्वाना कौवा नगर बैतूल
हाल निवासी- मुरलीपुरा सि.कम ,डी-204, डी-
205, जयपुर राजस्थान —रिवीजकर्ता

किरद

- 1-सर्व साधारण
 - 2- प्रदीप पिता सन कुमार तिवारी
 - 3-दिलीप पिता सन कुमार तिवारी
- दोनो निवासी राजेंद्र वार्ड बैतूल गंज बैतूल
--जैर रिवीजकर्ता गण

श्री. क. क. क. सुबेदीना - 1-4-15 को
द्वारा आज दि. 1-4-15 को
प्रस्तुत 1-4-15
ऑफ कोर्ट
राजस्व मंडल म.प्र. ग्वालियर

- 1/15

न्यायालय राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक निगरानी 666-पीबीआर/15

जिला बैतूल

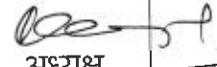
स्थान तथा दिनांक

कार्यवाही तथा आदेश

पक्षकारों एवं अभिभाषकों
आदि के हस्ताक्षर

10-6-2015

आवेदक के विद्वान अभिभाषक द्वारा ग्राह्यता पर प्रस्तुत तर्कों पर विचार किया गया । तहसीलदार, बैतूल के आदेश दिनांक 26-3-2015 की सत्यप्रतिलिपि का अवलोकन किया गया । तहसीलदार के आदेश को देखने से स्पष्ट है कि तहसीलदार के समक्ष आवेदक की ओर से व्यवहार प्रक्रिया संहिता के आदेश 1 नियम 10 के अन्तर्गत आवेदन पत्र प्रस्तुत कर वंशवृक्ष दर्शाकर वंशवृक्ष के सभी व्यक्तियों को पक्षकार बनाये जाने का अनुरोध किया गया है । इस सम्बन्ध में तहसीलदार द्वारा निकाला गया इस आशय का निष्कर्ष पूर्णतः विधिसंगत है कि स्वर्गीय किशनलाल शर्मा की मृत्यु उपरान्त उसकी पत्नी एकमात्र वारिस कलावती अनुसूची वर्ग-1 की उत्तराधिकारी है, और अनुसूची वर्ग-1 के उत्तराधिकारी के जीवित रहते अनुसूची वर्ग-2 का प्रश्नाधीन भूमि में कोई हित निहित नहीं रहता है, और वह हितबद्ध पक्षकार नहीं है । वंशवृक्ष से यह स्पष्ट नहीं है कि उसमें दर्शाये गये व्यक्ति अनुसूची वर्ग- 1 के वारिस हैं । उपरोक्त निष्कर्ष के परिप्रेक्ष्य में तहसीलदार द्वारा आवेदक का आवेदन पत्र निरस्त करने में प्रथम दृष्टया विधिसंगत कार्यवाही की गई है । फलस्वरूप यह निगरानी आधारहीन होने से अग्राह्य की जाती है ।


अध्यक्ष